ये अव्यक्त इशारे

निर्मल और निर्मान बन विश्व नव-निर्माण करो

9-07-2023

कोई भी चीज़ को गर्म कर नर्म किया जाता है, फिर मोल्ड किया जाता है। यहाँ भी गर्माई है शक्ति रूप और नर्माई है निर्मानता अर्थात् स्नेह रूप। जिसमें हर आत्मा प्रति स्नेह होगा वही नम्रचित रह सकता है। स्नेह नहीं है तो न रहमदिल बन सकेंगे, न नम्रचित। शक्तिरूप में है मालिकपन और नम्रता में है सेवा का गुण। तो जब यह नर्माई और गर्माई दोनों रहेंगे तब हर बात में मोल्ड हो सकेंगे।

Be humble and construct the new world

Somethings have to be heated first to make it soft and then it can be moulded. Here too, the heat is the form of power and the softness is humility, that is the form of love. Those who have love for every soul can be humble-hearted. If there isn't love, one cannot be merciful nor remain humble. The form of Shakti is being a master and humility is the intention to serve. So when there is both softness and warmth, you will be able to mould yourself in every situation.